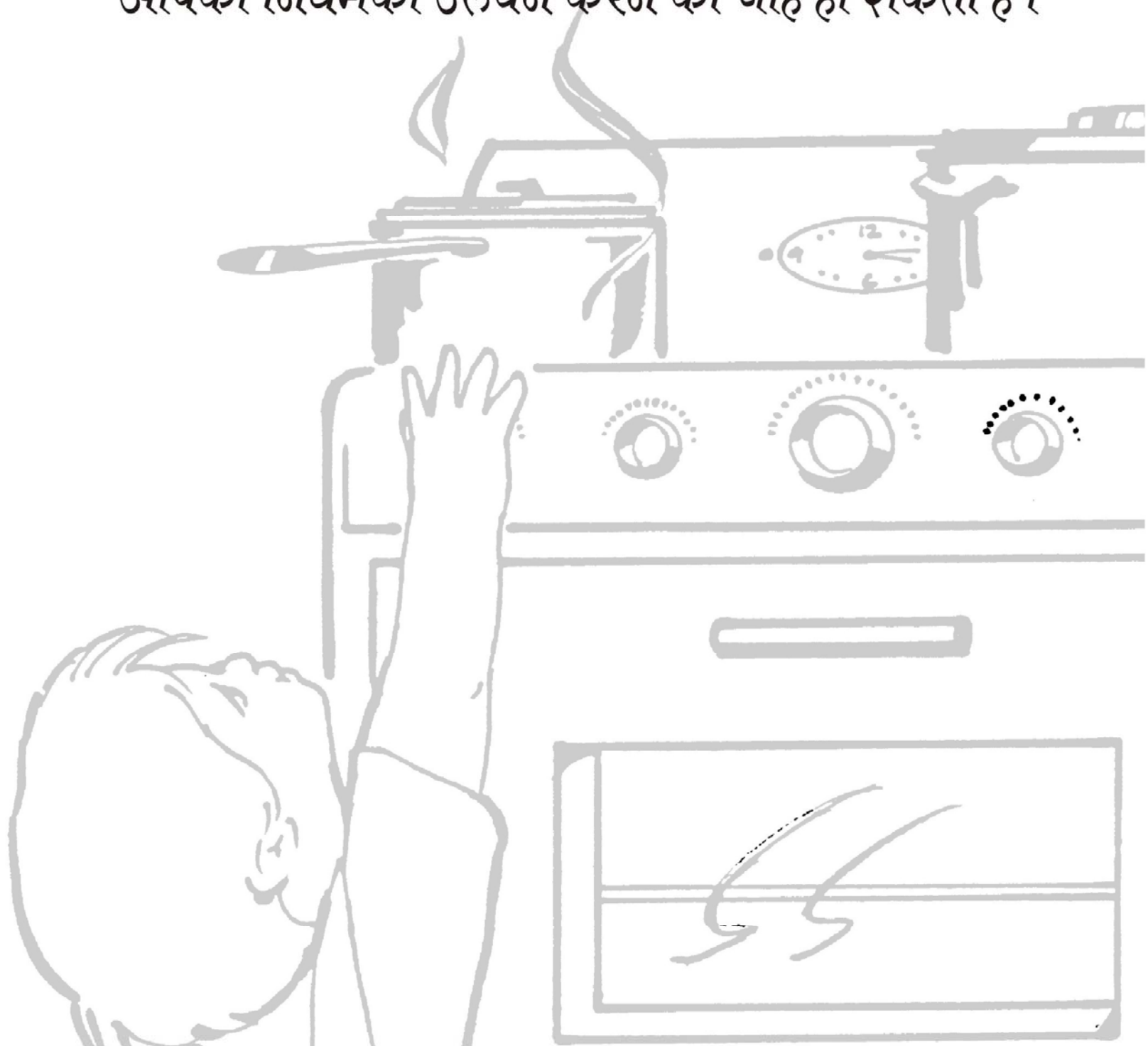


क्रोधीत, भयभीत और अकेलापन की अनुभूति होने से आपको नियमका उलंघन करने की चाह हो सकती है।



इसे परिक्षा कहते हैं।
प्राथेना करे, की परमेश्वर आप की
अनुभूतिओमे सहाय करे।